# HbA1C जाँच

स्रोत: द हिंदू

भारत **मधुमेह** के एक बहुत बड़े बोझ का सामना कर रहा है, जो**वैश्विक मामलों का 17%** है। **हीमोग्लोबिन A1C (HbA1C) जाँच**, जिसे **ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन** या **ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन** परीक्षण के रूप में भी जाना जाता है, प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- HbA1C परीक्षण **शर्करा-आबद्ध लाल रक्त कोशिकाओं** को का आकलन कर **रक्त शर्करा स्तर का 2-3 महीने का औसत** प्रदान करता है, जो व्यापक दीर्घकालिक नियंत्रण मूल्यांकन प्रदान करता है।
  - व्रत और भोजन के बाद के परीक्षणों के विपरीत, इस जाँच में थोड़ी देर पूर्व भोजन करने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जिससे विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।
  - **5.7% से कम Hb1A1C को सामान्य माना जाता है;** 5.7 और 6.4% के बीच यह संकेत हो सकता है कि व्यक्ति **प्री-डायबिटिक** है; तथा **6.5% या इससे अधिक मधुमेह का संकेत** दे सकता है।
    - गुर्दे या यकृत की विफलता, एनीमिया, कुछ दवाएँ और गर्भावस्था जैसे कारक परीक्षण के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।
- भारत में **10.13 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित** हैं और 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक हैं। **35% से अधिक भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित** हैं और लगभग **40% पेट के मोटापे से पीड़ित** हैं, दोनों मधुमेह के जोखिम कारक हैं।
- परीक्षण एक स्टैंड-अलोन डायग्नोस्टिक टूल नहीं है और व्यापक मूल्यांकन के लिये अन्य परीक्षणों के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता है।

**और पढ़ें:** प्री-डायबिटीज़ का पता लगाना, टाइप-1 डायबिटीज़ से निपटना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hba1c-test